स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

(नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

परिकल्पना एवं पाठ्यक्रम लक्ष्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भाषा और साहित्य को पारम्परिक ज्ञान-क्षितिजों के साथ नए सन्दर्भो में देखने की हिमायत करती है। राष्ट्र, राज्य की आधारभूत संकल्पनाओं, राष्ट्रीयता की आधारभूत समझ, परिवर्तनकामी भारतीय आंदोलनों, जैसे- नाथों-सिद्धों का हस्तक्षेप, भक्तिकालीन जनक्षेत्र का निर्माण, भारतीय स्वाधीनता संग्राम के साथ ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ रिश्तों की पहचान एवं सरकारी, गैर सरकारी व कार्पोरेट जगत की माँगों के अनुरूप नए सन्दर्भो की तलाश और अंतरवर्ती धारा के रूप में साहित्यबोध तथा शास्त्रबोध की व्यापक समझ साहित्य के पाठ्यक्रम की आधारभूत आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा द्वारा प्रेषित समान पाठ्यक्रम में अपेक्षित और निर्धारित संशोधन करते हुए बी.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। मेजर, माइनर एवं वोकेशनल पाठयक्रमों का निर्माण इस प्रक्रिया को समग्र रूप में पाठयक्रम अभिकल्पना में सामने लाने का प्रयास करता है। हिन्दी अध्यापन, प्रिंट और विजुअल मीडिया, धारावाहिक और पटकथा लेखन, विज्ञापन और अनुवाद आदि अनेक आवश्यकताओं के आलोक में पाठ्यक्रम की संकल्पना आकार प्राप्त की है।पाठ्यक्रम उद्देश्यों को अग्रलिखित बिन्दुओं के आलोक में और भी बेहतर ढंग से समझना सम्भव है-

- भारतीयता के तत्त्वों की साहित्यिक और सांस्कृतिक निर्मितियों का अवगाहन।
- साहित्यशास्त्र और काव्यशास्त्र की आधारभूत समझ।

- सौन्दर्यबोध और साहित्यबोध की समझ।
- हिन्दी जनक्षेत्र की समझ का विकास।
- रचनात्मक लेखन की बारीकियों से अवगत होना।
- स्वाधीन लेखन की सामर्थ्य का निर्माण।
- रोजगारोन्मुख क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप भाषायी कौशलों का विकास।

पाठ्यक्रम (राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार)

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

	B.A. I Year	**SEMESTER I & II**
Subject - Hindi (Minor)		
Course Code (Miner): H.M.01	Course Title: हिन्दी: संरचना और अनुप्रयोग	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1
   भारतीय प्रायद्वीप की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाषा हिंदी के जन्म, विकास और जन क्षेत्र निर्माण को जानना।
2. इकाई 2
   हिंदी की ध्वनियों ,वाक्य गठन, वाक्य विन्यास, पर्यायवाची ,विलोम तथा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द की संरचनाओं को जानना।
3. इकाई 3
   संधि, समास, अवयव, मुहावरा, लोकोक्ति एवं कहावतें तथा संस्कृत से हिंदी व्याकरण की यात्रा जानना।
4. इकाई 4
   हिंदी अनुप्रयोग के व्यावहारिक पहलुओं को संदर्भानुसार जानना।

अध्ययन परिणाम:

1. इकाई 1
   हिंदी के जन्म, विकास और जन क्षेत्र की समझ।
2. इकाई 2
   हिंदी ध्वनि, वाक्य संरचना की समझ और शब्द वाक्य भंगिमाओं की समझ।
3. इकाई 3
   विभिन्न व्याकरणिक अवधारणाओं जैसे - संधि, समास आदि की समझ। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप व्याकरण की समझ।
4. इकाई 4
   स्ववृत्त (बायोडेटा) बनाना। कंप्यूटर को हिंदी अनुप्रयोग के संबंध में समझना।

Credits - 4	Max Marks: 75 + 25 =100	Min. Passing Marks 30+10

Total No. of Lecture-Tutorials-Practical (in hours per weeks) 3-.-. or 2-1-. etc.		
Unit (इकाई)	Topic	No. of Lectures
I	**हिंदी भाषा:** **1.** हिंदी भाषा का उद्भव और विकास **2.** संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का भारतीय स्वरुप **3.** हिंदी की प्रमुख बोलियाँ, यथा- खड़ी बोली, अवधी, ब्रज और भोजपुरी **4.** मानकीकृत हिंदी का स्वरुप **5.** देवनागरी लिपि और उसका महत्व	12
II	**हिंदी व्याकरण 1** 1. हिंदी की प्रमुख ध्वनियाँ (स्वर तथा व्यंजन) 2. हिंदी वाक्य का स्वरुप (संयुक्त एवं भिन्न वाक्य) 3. हिंदी का वाक्य विन्यास (संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, प्रत्यय, वचन, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग एवं परसर्ग) 4. पर्यायवाची एवं विलोम शब्द 5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	12
III	**हिंदी व्याकरण 2** अनेक शब्दों के लिए एक शब्द संधि समास अव्यय मुहावरा, लोकोक्ति, एवं कहावतें संस्कृत व्याकरण की निरंतरता और हिंदी व्याकरण अपठित गद्यांश	12
IV	**हिंदी: अनुप्रयोग** 1. बायोडाटा/स्ववृत्त निर्माण स्ववृत्त निर्माण की प्रक्रिया, स्वरुप एवं प्रकार 2. कम्प्यूटर/ लैपटॉप और हिंदी कम्प्यूटर का सामान्य परिचय एवं प्रयोग कम्प्यूटर में हिंदी का प्रयोग ओ.सी.आर., गूगल स्पीच, हिंदी टाइपिंग (यूनिकोड, मंगल, कुर्तिदेव) हिंदी वेबसाइट (महत्वपूर्ण), ई- पुस्तकालय, इग्नू, स्वयं, यू-ट्यूब, एन. सी.ई.आर.टी., ई-ज्ञानकोश आदि	12

V	निर्देश- प्रयोगिक कार्य हेतु इकाई-1, 2, 3 एवं 4 से एक क्रेडिट का कार्य निर्धारित है। इस हेतु इकाई प्रथम एवं द्वितीय से एक फाइल बनायी जायेगी तथा इकाई तृतीय एवं चतुर्थ से एक फाइल बनायी जाएगी।	15
	पाठ्य पुस्तक: हिन्दी: संरचना एवं अनुप्रयोग **लेखक : प्रो. अनुराग कुमार, हिन्दी विभाग, म. गां. काशी विद्यापीठ, वाराणसी** **प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी, उ.प्र., 221001**	
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1.कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2.वाचन	
	मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है - 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक की परियोजना/अधिन्यास कार्य छात्र/छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जायेगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject .... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

<table>
<tr><td></td><td>B.A. II Year</td><td>SEMESTER III & IV</td></tr>
<tr><td colspan="3" align="center">Subject - Hindi (Minor)</td></tr>
<tr><td>Course Code (Minor): H.M.02</td><td colspan="2">Course Title
हिन्दी: संवैधानिक स्वरूप एवं भाषा विमर्श के नये क्षेत्र</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम का उद्देश्य:
1. इकाई 1
राष्ट्रीय संकल्पना के भाषायी अभियानों के तहत भाषा, विशेषकर हिंदी भाषा के पहलुओं को जानना।
2. इकाई 2
भाषा विमर्श के नए क्षेत्रों- जेंडर और भाषा, भाषा और वर्ग एवं बहुभाषिकता के द्वान्दात्मक संबंधो को जानना।
3. इकाई 3
पटकथा लेखन के समस्त संदर्भों को जानना।
4. इकाई 4
विज्ञापन लेखन के विविध अनुप्रयोगों को जानना।</td></tr>
<tr><td colspan="3">अध्ययन परिणाम:
1. इकाई 1
राजभाषा हिंदी के संदर्भ में विभिन्न संवैधानिक अनुच्छेदों की समझ। राजभाषा अधिनियम 1963, 1960, 1968 को समझना। हिंदी के मानकीकृत रूप की समझ।
2. इकाई 2
राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 की विशेष संकल्पना के भाषायी विमर्श के नए प्रयोगों एवं संदर्भों की समझ जैसे- भाषा और जेंडर तथा बहुभाषिकता।
3. इकाई 3
पटकथा लेखन कौशल प्राप्त कर उसके रोजगारोन्मुख संदर्भों की समझ।
4. इकाई 4
राष्ट्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप विज्ञापन निर्माण का कौशल।</td></tr>
<tr><td>Credits - 4</td><td>Max Marks: 75 + 25 =100</td><td>Min. Passing Marks 30+10</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lecture-Tutorials-Practical (in hours per weeks) 3-.-. or 2-1-. etc.</td></tr>
</table>

Unit (इकाई)	Topic	No. of Lectures
I	**हिन्दी का संवैधानिक स्वरूप और त्रिभाषा सूत्र** **1.** राजभाषा हिन्दी 2. भारत सरकार की राजभाषा नीति ● हिन्दी को लागू किये जाने की संवैधानिक व्यवस्था अनुच्छेद-343 से 351 तक। ● राजभाषा अधिनियम 1963 तथा उसके पश्चात बनाए गये नियम। ● राष्ट्रपति के आदेश 1960, 1968 का राज्य भाषा संबंधी प्रस्ताव। ● हिन्दी प्रशिक्षण प्रोत्साहन राजभाषा क्रियान्वयन समिति द्वारा निर्धारित-।(गृह मंत्रालय द्वारा विनिश्चय) वार्षिक एवं समयबद्ध कार्यक्रम 3 राजभाषा निदेशालय द्वारा हिन्दी का मानकीकृत स्वरूप।	12
II	भाषा विमर्श के नये क्षेत्र 6. भाषा और अस्मिता में संबंध 7. भाषा और जेंडर (i) समाज में जेंडर (ii) व्याकरण में जेंडर 8. भाषा और क्षेत्र 9. भाषा और वर्ग 10. भाषा और बहुभाषिकता	12
III	पटकथा लेखन ● पटकथा लेखनएक परिचय : ● कहानी और पटकथा में अन्तर ● संवाद लेखन ● पटकथा लेखन के प्रकार नाटक) , T.V. और सिनेमा के लिए पटकथा लेखन(पटकथा लेखन में रोजगार की संभावनाएँ	12
IV	विज्ञापन लेखन ● विज्ञापन लेखनएक परिचय : ● विज्ञापन के प्रकार (प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक) ● विज्ञापन की भाषा एवं संरचना ● विज्ञापन कैसे तैयार करें। ● विज्ञापन में रोजगार की संभावनाएँ	12

V	निर्देश- प्रयोगिक कार्य हेतु इकाई-1, 2, 3 एवं 4 से एक क्रेडिट का कार्य निर्धारित है। इस हेतु इकाई प्रथम एवं द्वितीय से एक फाइल बनायी जायेगी तथा इकाई तृतीय एवं चतुर्थ से एक फाइल बनायी जाएगी।	15
	पाठ्य पुस्तक: हिन्दी: संवैधानिक स्वरूप, भाषा विमर्श के नये क्षेत्र **लेखक : प्रो. निरंजन सहाय** **प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**	
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1.कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2.वाचन	
	मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है - 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक की परियोजना/अधिन्यास कार्य छात्र/छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जायेगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject .... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	